नईदुनिया

खास-खबरें

दिवाली के दौरान मिठाई में काजू-कतली की मांग रही सबसे ज्यादा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिवाली के दौरान काजू कतली सबसे अधिक पसंद की जाने वाली मिठाई रही है। इसके बाद मोतीचूर के लड्डू और बेसन के लड्डू का स्थान रहा। कंपनी ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि स्विगी की फटाफट सामान पहुंचाने वाली क्विक कॉमर्स इकाई इंस्टामार्ट पर दिवाली की तैयारियों से जुड़े ऑर्डर में सालाना आधार पर 162 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि नमकीन और स्नैक्स की मांग 42 फीसदी बढ़ गई।

इंस्टामार्ट ने बताया कि आठ नवंबर को खरीदारी का सबसे व्यस्त समय सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच रहा। इस दौरान सुबह 11 बजकर 18 मिनट पर एक मिनट में सबसे अधिक ऑर्डर दर्ज किए गए। दिवाली की पूर्व संध्या पर डाइट कोक सबसे अधिक ऑर्डर किया जाने वाला गैर-किराना उत्पाद रहा। कपड़ों, आभूषणों और बालों से जुड़े हुए सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं उपकरण तथा रसोई और डाइनिंग उत्पादों की मांग में भी सालाना आधार पर अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

सर्वम ने गूगल क्लाउड के श्रीधरन को नियुक्त किया अध्यक्ष

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी सर्वम ने सोमवार को गूगल क्लाउड के भारत में पूर्व प्रबंध निदेशक शशिकुमार श्रीधरन को अपना अध्यक्ष एवं मुख्य कारोबार अधिकारी (सीबीओ) नियुक्त किया है। बेंगलुरु की कंपनी सर्वम ने एक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि शशिकुमार श्रीधरन उद्यमों और सरकारी संस्थानों के साथ कंपनी के कारोबार का नेतृत्व करेंगे। साथ ही वह डिजिटल क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों, डेवलपर और भागीदारों के साथ कंपनी का कामकाज बढ़ाने की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। कंपनी ने कहा कि वह कंपनी के निदेशक मंडल में भी शामिल होंगे। वह विपणन, वित्त, फॉरवर्ड डिप्लॉयड इंजीनियरिंग, सेवा वितरण और वाणिज्यिक के परिचालन का कामकाज भी देखेंगे।

श्रीधरन इससे पहले गूगल क्लाउड में भारत के प्रबंध निदेशक थे। उनके पास प्रौद्योगिकी कारोबार में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। गूगल क्लाउड से पहले श्रीधरन ने पांच साल से अधिक समय तक माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के उद्यम कारोबार के प्रबंध निदेशक के रूप में काम किया था।

कैट का राष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली में 13 नवंबर को, व्यापारी नेता सुरक्षा पर करेंगे मंथन

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: कैट की 13 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रीय सम्मेलन होगी, जिसमें व्यापारिक नेता विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण कारोबार में होने वाली दिक्कतों पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन में व्यापारियों की आजीविका की सुरक्षा के लिए समन्वित रणनीति तैयार करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने सोमवार को कहा कि इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न राज्यों एवं प्रमुख व्यापारिक संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस सम्मेलन में दिल्ली में पिछले एक महीने के दौरान हुए विभिन्न आंदोलनों, धरनों एवं प्रदर्शनों से व्यापार को हुए नुकसान, व्यापारियों, दुकानदारों, छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों तथा व्यापार पर निर्भर लाखों लोगों की आजीविका पर पड़े प्रभाव का विस्तार से विश्लेषण भी किया जाएगा।

एलिस से संबंधों के बाद विवादों में आए एनवीडिया प्रमुख जेनसेन

- चीन की खुफिया एजेंसी से संबंध होने का संदेह
- अमेरिकी अधिकारियों का आरोप- कारोबारी नजदीकी के जरिए जुटाई जा सकती थीं संवेदनशील जानकारियां



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दुनिया की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों में शामिल एनवीडिया के प्रमुख जेनसेन हुआंग इन दिनों अपने निजी संबंधों और कथित जासूसी मामले को लेकर चर्चा में हैं। हुआंग ने कंपनी के कर्मचारियों को लिखे पत्र में स्वीकार किया है कि वह अपनी पत्नी के प्रति बेवफा रहे हैं। उन्होंने अपने परिवार और बच्चों को पहुंची तकलीफ के लिए माफी मांगते हुए अपनी गलती की पूरी जिम्मेदारी ली है। इस पूरे मामले में एलिस हुआंग नाम की चीनी महिला का नाम सामने आया है, जिन पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह जताया गया है।

कारोबारी मुलाकात से बढ़ीं नजदीकियां

एलिस और जेनसेन की मुलाकात कब और कहां हुई, इसकी सटीक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, दोनों के बीच संपर्क का प्रमुख आधार एनवीडिया और मेगास्पीड का कारोबारी संबंध बताया जाता है। वर्ष 2024 में ताइपे में आयोजित एक उद्योग समारोह के दौरान दोनों की तस्वीरें सामने आई थीं। मई 2025 में भी दोनों एक रात्रिभोज कार्यक्रम में साथ दिखाई दिए थे। इस दौरान एलिस को जेनसेन के गाल पर चुंबन देते हुए देखा गया था। इसके बाद दोनों एक ही गाड़ी से रवाना हुए थे।

जासूसी के संदेह से बढ़ा विवाद

अमेरिकी अधिकारियों को संदेह है कि एलिस चीन की खुफिया एजेंसी के लिए काम कर रही थीं और उन्होंने जेनसेन से नजदीकी बढ़ाकर एनवीडिया की कारोबारी रणनीति तथा तकनीकी योजनाओं की जानकारी जुटाने का प्रयास किया। मेगास्पीड के माध्यम से प्रतिबंधित उपकरण चीन पहुंचाए जाने की आशंका की भी जांच हुई है। वहीं, एनवीडिया के संचालक मंडल ने मामले की स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने कहा है कि फिलहाल उसके पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है, जिससे यह माना जाए कि कंपनी के गोपनीय रहस्य या अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सूचनाएं उजागर हुई हैं। चीन ने भी जासूसी के आरोपों को खारिज किया है। एलिस ने अब तक सार्वजनिक रूप से इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कौन हैं एलिस हुआंग?

एलिस हुआंग को हुआंग ले के नाम से भी जाना जाता है। वह चीन की नागरिक हैं। हालांकि, जेनसेन हुआंग और एलिस का उपनाम एक जैसा है, लेकिन दोनों के बीच कोई पारिवारिक संबंध नहीं है। मीडिया में सामने आई जानकारी के अनुसार, एलिस का शुरुआती करियर पत्रकारिता से जुड़ा रहा है। चीन के एक निजी निवेश कोष के आंकड़ों में उपलब्ध उनकी परिचयात्मक जानकारी के मुताबिक, उन्होंने चीन के केंद्रीय टेलीविजन और हुनान टीवी में संवाददाता के रूप में काम किया था। इसके बाद वह बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र से जुड़ीं। उनकी परिचयात्मक जानकारी में एचएसबीसी और सीआईटीआईसी सिक्योरिटीज से जुड़े पदों का भी उल्लेख है। हालांकि, इन जानकारियों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। बाद में एलिस सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड इंटरनेशनल से जुड़ीं और वहां शीर्ष अधिकारियों में शामिल हो गईं। यह कंपनी आंकड़ा केंद्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाओं का कारोबार करती है।

दिवाली पर पांच साल में सबसे धीमी रही ऑनलाइन बिक्री

- सोने-चांदी के सिक्कों की खूब मांग
- बिक्री में 13 से 15 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी
- महंगे मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामानों से ग्राहकों ने बनाई दूरी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: इस बार दिवाली पर ऑनलाइन खरीदारी का उत्साह पिछले वर्षों की तुलना में फीका रहा। त्योहारों के दौरान ऑनलाइन बिक्री में केवल 13 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि कारोबार जगत को 20 से 25 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद थी। यह पिछले पांच वर्षों में सबसे धीमी वृद्धि रही। हालांकि, सोने-चांदी के सिक्कों, किराना और फैशन उत्पादों की मांग में तेजी देखने को मिली।

पिछले वर्ष 2025 के त्योहारों में ऑनलाइन बिक्री का कुल कारोबार करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये रहा था। उस दौरान सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस बार वस्तुओं की बढ़ती कीमतों और उत्पादन लागत ने ग्राहकों के बजट पर असर डाला। पिछले साल वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कटौती से खरीदारी को बढ़ावा मिला था।

इस बार स्मार्टफोन, कंप्यूटर और बड़े इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की बिक्री धीमी रही। कुल ऑनलाइन बिक्री में स्मार्टफोन की हिस्सेदारी घटकर 24 से 25 प्रतिशत रह गई, जो पिछले साल 35.2 प्रतिशत थी। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर मिलने वाली छूट भी 35 से 40 प्रतिशत तक कम रही।

छोटे सामानों और किराना की बिक्री बढ़ी

महंगे उत्पादों से दूरी बनाकर ग्राहकों ने कम कीमत वाली वस्तुओं को प्राथमिकता दी। ऑनलाइन खरीद के कुल आदेशों में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि किराना उत्पादों की बिक्री करीब 40 प्रतिशत बढ़ी। फैशन उत्पादों पर औसत छूट भी 34 से बढ़कर 46 प्रतिशत हो गई। धनतेरस पर त्वरित आपूर्ति वाले खरीदारी मंचों के माध्यम से सोने-चांदी के सिक्कों की अच्छी बिक्री हुई। इन मंचों के अनुसार, हर घंटे 14 हजार से अधिक सिक्के बिके।

बिना ब्याज वाली किस्त के नाम पर न बढ़ाएं कर्ज



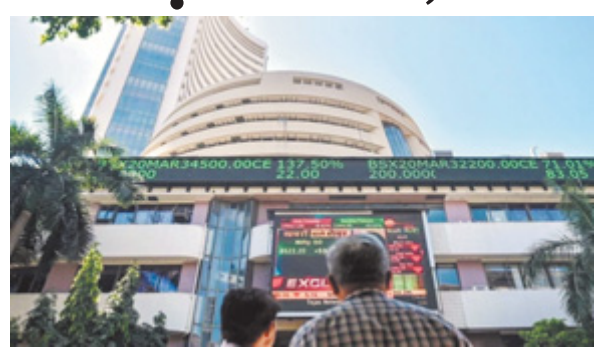
- किस्तों पर सामान खरीदने से पहले लगने वाले शुल्क
- कर और छूट का करें आकलन
- समय से पहले भुगतान पर भी लग सकता है अतिरिक्त शुल्क

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: त्यौहारों के दौरान खरीदारी के लिए क्रेडिट कार्ड से बिना ब्याज वाली मासिक किस्त का विकल्प लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और उपहार खरीदने के लिए कई लोग इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। हालांकि, बिना ब्याज वाली किस्त का अर्थ पूरी तरह मुफ्त खरीदारी नहीं है। इसमें लगने वाला प्रसंस्करण शुल्क, 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर और तत्काल छूट का नुकसान ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। प्रसंस्करण शुल्क: कई बैंक बिना ब्याज वाली किस्त की सुविधा देने पर 99 से 500 रुपये या इससे अधिक प्रसंस्करण शुल्क लेते हैं। यह राशि एकमुश्त चुकानी पड़ती है। ब्याज और शुल्क पर कर: इस सुविधा में ब्याज की राशि को दुकानदार या कंपनी उत्पाद की कीमत में छूट के रूप में समायोजित कर देती है। हालांकि, बैंक ब्याज और प्रसंस्करण शुल्क पर 18 प्रतिशत जीएसटी वसूलते हैं, जिसका भुगतान ग्राहक को करना होता है।

तत्काल छूट का नुकसान: त्योहारों के दौरान बैंक क्रेडिट कार्ड से पूरी राशि चुकाने पर 10 प्रतिशत या 1,500 रुपये तक की तत्काल छूट देते हैं। किस्तों का विकल्प चुनने पर कई बार यह छूट नहीं मिलती। ऐसे में पूरी राशि एक साथ चुकाना अधिक सस्ता पड़ सकता है। समय से पहले भुगतान पर शुल्क: किस्तों की अवधि पूरी होने से पहले बकाया चुकाने पर बैंक 2 से 5 प्रतिशत तक अग्रिम भुगतान शुल्क लगा सकते हैं।

शेयर बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 107 अंक चढ़कर 81,106 पर बंद

- निफ्टी में भी 58 अंकों की बढ़त
- सरकारी बैंकों और औषधि कंपनियों के शेयरों में खरीदारी
- सूचना प्रौद्योगिकी और धातु कंपनियों के शेयर टूटे



नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: घरेलू शेयर बाजार में सोमवार, 9 नवंबर को तेजी रही। कारोबार के अंत में बीएसई का सेंसेक्स 107 अंकों की बढ़त के साथ 81,106 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 58 अंक चढ़कर 25,045 पर पहुंच गया। दिनभर के कारोबार में सरकारी बैंकों और औषधि कंपनियों के शेयरों में निवेशकों ने खरीदारी की। इसके विपरीत सूचना प्रौद्योगिकी और धातु क्षेत्र के शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला। बाजार में सरकारी बैंकों के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी दर्ज की गई। औषधि कंपनियों के शेयरों में भी निवेशकों की रुचि बनी रही। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी और धातु क्षेत्र के शेयरों में मुनाफावसूली के कारण गिरावट रही।

विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी

विदेशी निवेशकों ने पिछले सात कारोबारी दिनों में भारतीय शेयर बाजार में 42,845 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। पिछले 30 दिनों में उनकी शुद्ध खरीदारी 40,577 करोड़ रुपये रही। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने पिछले सात दिनों में 24,505 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले सप्ताह 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2020 के बाद यह इसकी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट बताई जा रही है। सोमवार को कच्चा तेल मामूली गिरावट के

एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख

एशियाई बाजारों में सोमवार को कारोबार का रुख मिला-जुला रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 41 अंक यानी 0.81 प्रतिशत गिरकर 5,019 पर बंद हुआ। जापान का निक्केई 1,341 अंक यानी 2.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 58,776 पर पहुंच गया। वहीं, हांगकांग का हैंगसेंग 33 अंक यानी 0.13 प्रतिशत गिरकर 24,449 पर रहा। अमेरिकी बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। डाउ जोंस 237 अंक यानी 0.46 प्रतिशत गिरकर 51,286 पर रहा। दूसरी ओर, नैस्डैक 264 अंक यानी 1.09 प्रतिशत चढ़कर 24,579 पर पहुंच गया। एसएंडपी 500 में 23 अंकों यानी 0.31 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 7,377 पर बंद हुआ। साथ 97 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। अक्टूबर के अंत में इसकी कीमतें छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थीं।

कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट से भारत को राहत की उम्मीद, पेट्रोल-डीजल हो सकते हैं सस्ते

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वर्ष 2020 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई है। बीते सप्ताह ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 16 डॉलर यानी 16 प्रतिशत से अधिक गिरकर 98 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई। सोमवार को भी इसमें मामूली गिरावट जारी रही। अक्टूबर के अंत में कच्चे तेल की कीमतें छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थीं, लेकिन अब इसमें राहत देखने को मिल रही है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी को मिली हार के बाद मध्य पूर्व में सैन्य संघर्ष के और बढ़ने की आशंका कम हुई है। कूटनीतिक समाधान की उम्मीदों ने भी कच्चे तेल की कीमतों को नीचे लाने में भूमिका निभाई है। हालांकि, क्षेत्र में तनाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।

मध्य पूर्व में अब भी जारी हैं हमले

फारस की खाड़ी और मध्य पूर्व के अन्य क्षेत्रों में छिटपुट हमले जारी हैं। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन विभाग के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक तेलवाहक जहाज पर हमला हुआ है। वहीं, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने रियाद में सऊदी अरामको के कार्यालयों को निशाना बनाया। इसके जवाब में सऊदी अरब की सेना ने दो मिसाइल प्रक्षेपण केंद्रों को नष्ट कर दिया।

तीन महत्वपूर्ण रिपोर्टों पर रहेगी नजर

आने वाले दिनों में कच्चे तेल के बाजार की दिशा तय करने में तीन प्रमुख रिपोर्टों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। मंगलवार को अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन, बुधवार को पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की मासिक रिपोर्ट जारी होगी।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर क्या होगा असर?

भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट से देश का आयात खर्च कम हो सकता है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत और अर्थव्यवस्था को राहत मिलती है। कच्चा तेल सस्ता होने से तेल कंपनियों की लागत घटती है। इसका लाभ पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी के रूप में मिल सकता है। हालांकि, घरेलू स्तर पर ईंधन के दाम तुरंत घटेंगे या नहीं, यह तेल कंपनियों की लागत और पिछले घाटे की भरपाई पर निर्भर करेगा।

डिजिटल मुद्रा के जरिए विदेश भेजे हजारों करोड़ रुपये

नईदुनिया ब्यूरो, बेंगलुरु: प्रवर्तन निदेशालय ने 4 और 5 नवंबर को क्रिप्टो कारोबार से जुड़ी कंपनियों कॉइन डीसीएक्स और डेल्टा एक्सचेंज के बेंगलुरु स्थित तीन ठिकानों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी के अनुसार, प्रारंभिक पड़ताल में बिना अनुमति अंतरराष्ट्रीय डिजिटल मुद्रा लेनदेन और विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून के उल्लंघन से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। जांच का मुख्य आधार विदेशी मंचों पर बिना सरकारी अनुमति सौदे कराने और हजारों करोड़ रुपये देश से बाहर भेजने का आरोप है। जांच एजेंसी के अनुसार, इन कंपनियों पर ग्राहकों को विदेशी मंचों पर कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर सौदे कराने का आरोप है। इसके लिए अमेरिकी डॉलर से जुड़ी डिजिटल मुद्रा यूएसडीटी का इस्तेमाल किया गया। इस मुद्रा के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था के बाहर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रकम भेजी जा सकती है। जांच में सामने आया कि कॉइन डीसीएक्स ने कारोबारी खर्च और लेनदेन शुल्क के नाम पर बाइनेंस, कूकॉइन और बायबिट जैसे विदेशी मंचों को यूएसडीटी के माध्यम से रकम भेजी।

डाकघर बचत खाते के एटीएम नियम बदले कम शेष राशि पर लगेगा 50 रुपये का शुल्क

दूसरे बैंकों के एटीएम से महीने में तीन से पांच बार मुफ्त लेनदेन

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: डाकघर में बचत खाता रखने वाले ग्राहकों के लिए एटीएम से जुड़ी कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं निर्धारित की गई हैं। अब ग्राहक डाकघर के एटीएम से एक दिन में अधिकतम 25 हजार रुपये निकाल सकेंगे। हालांकि, एक बार में केवल 10 हजार रुपये निकालने की अनुमति होगी। इसके अलावा, खाते में कम से कम 500 रुपये रखना जरूरी है। पर्याप्त राशि नहीं होने पर लेनदेन अस्वीकार हो सकता है।

डाकघर के अपने एटीएम से ग्राहक हर महीने पांच बार बिना शुल्क लेनदेन कर सकते हैं। इसमें नकद निकासी, खाते की शेष राशि की जानकारी और संक्षिप्त विवरण प्राप्त करना शामिल है। दूसरे बैंकों के एटीएम पर महानगरों में तीन और छोटे शहरों तथा कस्बों में पांच मुफ्त लेनदेन की सुविधा मिलती है।

सीमा पार करने पर देना होगा शुल्क

मुफ्त लेनदेन की सीमा समाप्त होने के बाद दूसरे बैंक के एटीएम से नकद निकालने पर 23 रुपये और लागू वस्तु एवं सेवा कर देना होगा। राशि की जानकारी लेने या संक्षिप्त विवरण प्राप्त करने पर 11 रुपये और कर लगेगा। डाकघर के अपने एटीएम से अतिरिक्त नकद निकासी पर 10 रुपये और कर तथा अन्य लेनदेन पर पांच रुपये और कर देना होगा।

बचत खाते पर चार प्रतिशत ब्याज

डाकघर के बचत खाते में जमा राशि पर सालाना चार प्रतिशत ब्याज मिलता है। इसकी गणना प्रत्येक महीने की 10 तारीख से अंतिम दिन के बीच खाते में मौजूद सबसे कम राशि के आधार पर की जाती है। ब्याज साल में एक बार खाते में जमा होता है। यदि वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख 31 मार्च को खाते में न्यूनतम 500 रुपये नहीं रहते हैं, तो डाक विभाग 50 रुपये का वार्षिक रखरखाव शुल्क काट सकता है।

स्पेशल खबर प्यार नहीं मिला तो पैसे लौटाएगा यह ऐप, एआई से तलाशेगा जीवनसाथी

अब तक 35 हजार से अधिक लोगों ने कराया पंजीकरण

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: जीवनसाथी की तलाश में जुटे लोगों के लिए चीन का एक डेटिंग ऐप इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। इस ऐप की खासियत यह है कि कंपनी तीन साल के भीतर शादी नहीं होने पर सदस्यता की पूरी राशि वापस करने का दावा कर रही है। यानी उपयोगकर्ता को उपयुक्त जीवनसाथी मिल जाता है तो वह शादी कर सकता है और ऐसा नहीं होने पर उसे पैसे लौटा दिए जाएंगे। इस अनोखी पेशकश के कारण यह ऐप चीन में चर्चा में है।

दक्षिण चीन मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस ऐप का नाम लियांगपेई एआई है। इसे जुलाई 2026 में शुरू किया गया था। इसकी सालाना सदस्यता शुल्क 2,000 चीनी युआन यानी करीब 26 हजार रुपये है। कंपनी का कहना है कि यदि उपयोगकर्ता तीन साल के भीतर विवाह नहीं कर पाता है तो उसे पूरी सदस्यता राशि वापस कर दी जाएगी।



एक समय में एक ही व्यक्ति से जुड़ने की सुविधा

आमतौर पर डेटिंग ऐप पर उपयोगकर्ता एक साथ कई लोगों से बातचीत कर सकते हैं, लेकिन लियांगपेई एआई में ऐसा नहीं है। इसमें एक समय में केवल एक व्यक्ति से मेल किया जा सकता है। यदि उपयोगकर्ता किसी दूसरे व्यक्ति से जुड़ना चाहता है तो उसे पहले मौजूदा मेल समाप्त करना होगा। कंपनी का मानना है कि इससे लोग एक साथ कई विकल्पों में उलझने के बजाय एक रिश्ते को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता तैयार करती है विस्तृत परिचय

ऐप पर पंजीकरण के लिए वास्तविक नाम, तस्वीर और अविवाहित होने का प्रमाण देना अनिवार्य है। कंपनी के अनुसार, शुरू आत के पहले महीने में जांच के दौरान 150 से अधिक विवाहित लोगों को बाहर किया गया था। पंजीकरण के बाद उपयोगकर्ता को करीब 20 मिनट तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ बातचीत करनी होती है। इसमें परिवार, शिक्षा, नौकरी, पसंद-नापसंद, स्वभाव, रहन-सहन और जीवनसाथी से जुड़ी अपेक्षाओं के बारे में जानकारी ली जाती है। इसी आधार पर विस्तृत परिचय तैयार कर उपयुक्त व्यक्ति सुझाए जाते हैं।

संस्थापक ने अपने अनुभव से शुरू किया ऐप

इस ऐप के संस्थापक झेंग शिनशुन हैं। इससे पहले वह चीनी कंपनी मूनशॉट एआई के कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवाद सहायक की तकनीक विकसित करने वाली टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। उनका मानना है कि केवल तस्वीर और छोटी जानकारी के आधार पर जीवनसाथी चुनना पर्याप्त नहीं है। लोगों की सोच और स्वभाव को समझना भी जरूरी है। ऐप में रिश्तों से जुड़ी समस्याओं पर सलाह देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विशेष सुविधा भी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक इस ऐप पर 35 हजार से अधिक लोग पंजीकरण करा चुके हैं। हालांकि, इसके माध्यम से कितने लोगों की शादी हुई है, इसके आंकड़े अभी सामने नहीं आए हैं।

स्टारलिंक से पहले जियो और वनवेब ने जमा किए सुरक्षा संबंधी दस्तावेज

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही तीन प्रमुख कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। सुरक्षा संबंधी आवश्यक दस्तावेज जमा करने के मामले में एयरटेल समर्थित वनवेब सबसे आगे रही। इसके बाद जियो सैटकॉम ने अपनी प्रक्रिया पूरी की, जबकि एलन मस्क की स्टारलिंक इस मामले में पीछे रही। तीनों कंपनियों को उपग्रह इंटरनेट सेवाओं के लिए अनुमति पत्र मिल चुका है, लेकिन व्यावसायिक स्तर पर सेवाएं शुरू करने से पहले सुरक्षा मंजूरी और रेडियो तरंगों के आवंटन से जुड़ी प्रक्रियाएं पूरी होना बाकी हैं। यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है, जब करीब एक महीने पहले स्टारलिंक के प्रमुख एलन मस्क ने आरोप लगाया था कि भारत के कुछ बड़े उद्योगपति उनकी कंपनी की सेवाओं की शुरुआत में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं। उनके इस बयान के बाद देश में उपग्रह इंटरनेट बाजार की प्रतिस्पर्धा को लेकर चर्चा तेज हो गई थी। हालांकि, केंद्र सरकार ने पक्षपात के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि अनुमति और स्वीकृति देने की प्रक्रिया पारदर्शी है। सरकार इस क्षेत्र में निवेश करने और सेवाएं देने की इच्छुक सभी कंपनियों का स्वागत करती है। तीनों कंपनियों के सामने फिलहाल दो प्रमुख प्रक्रियाएं पूरी करने की चुनौती है। पहली, उन्हें सरकार की निर्धारित सुरक्षा शर्तों का पालन करना होगा और अपनी तकनीकी व्यवस्था का प्रदर्शन करना होगा। दूसरी, सरकार को रेडियो तरंगों के आवंटन की व्यवस्था और उनकी कीमत तय करनी है। स्टारलिंक की व्यावसायिक संचालन संबंधी उपाध्यक्ष लॉरेन ड्रायर ने सात अक्टूबर को भारतीय उपभोक्ताओं का आंकड़ा देश की सीमाओं के भीतर सुरक्षित रखने का भरोसा दिया था।